Mahila college Dalmianagar
Department of History
B.A III (Hons)

Dr. Anu Kumari
Date :- 17/02/2024

Topic :- पानीपत का प्रथम युद्ध

=> पानीपत का प्रथम युद्ध ऐतिहासिक है पानीपत के निकट लड़ा गया था। पानीपत वह स्थान है जहाँ बारहवीं शताब्दी के बाद से उत्तर भारत पर नियंत्रण को लेकर कई निर्णायक लड़ाइयाँ लड़ी गई।

=> पानीपत के प्रथम युद्ध ने ही भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी। यह उन पहली लड़ाइयों में से एक थी जिसमें मुगलों ने बारूद, आग्नेयास्त्रों और तोपों का प्रयोग किया।

=> यह युद्ध जहीर-उद्दीन बाबर और दिल्ली के लोदी वंश के सुल्तान इब्राहिम लोदी के बीच लड़ा गया था। इस युद्ध में जहीर-उद्दीन बाबर ने लोदी को पराजित किया था।

* सैन्य बल :-

=> बाबर की सेना में लगभग 15,000 सैनिक और 20-24 तोपें थीं।

Scanned with CamScanner

इब्राहिम लोदी की सेना में लगभग 30,000 - 40,000 सैनिक और कम - से - कम 1000 हाथी थे।

* बाबर की रणनीति : —

असल - बाबर ही नहीं बल्कि बाबर की तुलुगमा और अरबा की रणनीति ने भी उसे जीत के लिये प्रेरित किया।

* तुलुगमा युद्ध नीति : —

इसका अर्थ था पूरी सेना को विभिन्न इकाइयों - बाएँ, दाहिने और मध्य में विभाजित करना।

=> बाएँ और दाहिने भाग को आगे तथा अन्य टुकड़ियों को पीछे के भाग में विभाजित करना।

=> इसमें दुश्मन को चारों तरफ से घेरने के लिये एक छोटी सेना का उपयोग किया जा सकता था।

* अरबा युद्ध नीति : —

केंद्रीय फॉरवर्ड डिवीजन को तब बैलगाड़ियाँ (अरबा) प्रदान की जाती थीं जिन्हें दुश्मन का सामना करनेवाले पंक्ति में रखा जाता था और वे जानवरों की चमड़ी से बनी रस्सियों से एक - दूसरे से बंधे होते थे।

=> अरबा के पीछे तोपों को रखा जाता था, ताकि पीछे छिपकर दुश्मनों पर प्रहार किया जा सकें।

युद्ध का परिणाम

=> काबुलिस्तान के तिमुरिद शासक बाबर के मुगल सेना ने दिल्ली के सुल्तान इब्राहिम लोदी की विशाल सेना को हराया।

इस जीत ने बाबर को भारतीय मुगल साम्राज्य की नींव रखने में सक्षम बनाया।

=> इब्राहिम लोदी की मृत्यु युद्ध के मैदान में ही हो गई थी और सामंतो तथा सेनापतियों (वे सिपाही जो दूसरे मुल्क में लड़ाई के लिये रखे जाते थे) ने लोदी को वहीं छोड़ दिया। उनों से अधिकांश ने दिल्ली के नए शासक के अधिपत्य को स्वीकार कर लिया।

//